सोमवार
08 जनवरी 2024

पृष्ठ 4

क्या आपका भी बार बार करता है मीठा खाने का मन!

पृष्ठ 5

विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का नया पोस्टर जारी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 323
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुस्कान पाने वाला मालामाल हो जाता है पर देने वाला दरिद्र नहीं होता।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भू-कानून व मूल निवास पर राज्यहित में फैसला करेंगे:धामी

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आज उत्तरकाशी पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। यहां निकाले गए रोड शो में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी इस दौरान मातृशक्ति में भी भारी उत्साह देखा गया। कड़ाके की सर्दी के बीच भी उनके रोड शो और जनसभा में महिलाओं व बच्चों की भी भागीदारी देखी गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके इस कार्यक्रम के मद्देनजर नगर क्षेत्र में भारी सजावट की गई थी। सुबह 10 बजे यहां पहुंचे मुख्यमंत्री का कार्यकर्ताओं द्वारा फूलमालाओं से स्वागत किया गया। रोड शो में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के साथ उनसे वार्ता भी की और उनका हाल-चाल भी जाना। रोड शो के बाद रामलीला मैदान पहुंचे मुख्यमंत्री ने यहां एक जनसभा को संबोधित किया और इससे पूर्व उन्होंने उत्तरकाशी में चल रही लगभग दर्जन भर विभाग योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

❑उत्तरकाशी रोड शो में उमड़ी भारी भीड़
❑कई योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सबसे पहली प्राथमिकता राज्य का सर्वाधिक विकास रहा है। उनकी सरकार जनहित के फैसले लेने में किसी तरह संकोच नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अब तक उनकी सरकार ने युवाओं को रोजगार और पारदर्शी भर्तियों के लिए कड़े कानून बनाने तथा भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के फैसले किए गए हैं। उनकी सरकार पहाड़ और पहाड़ के लोगों के अधिकार संरक्षण के मुद्दों पर पूरी संजीदगी से काम कर रही है। उन्होंने प्रदेश में अवैध जमीन कब्जों को हटाने और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर कठोर फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वही काम करेगी जो राज्य और राज्य वासियो के हित में होंगे। उन्होंने कहा कि भू कानून और मूल निवास प्रमाण पत्र को लेकर भी सरकार राज्यहित में फैसला लेगी उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल और नेता राज्य में भ्रम फैला रहे हैं। रामलीला मैदान में आयोजित दीदी भूली महोत्सव में भी मुख्यमंत्री शामिल होंगे तथा यह लगे स्टालों का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन से लेकर राज्य के विकास तक मातृशक्ति का असाधारण योगदान रहा है। उनकी सरकार मातृशक्ति के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

-पुलिस लाइन में पासआउट सेरेमनी आयोजित-

प्रशिक्षण के बाद 167 रिक्रूट आरक्षी बनी उत्तराखंड पुलिस का हिस्सा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार स्थित परेड़ ग्राउंड में आज 167 महिला आरक्षियों की पासआउट सेरेमनी आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि आईजी फायर सर्विस नीरू गर्ग रही।

एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह के हाथों पुष्प गुच्छ प्राप्त करने के पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आईजी फायर सर्विस नीरू गर्ग द्वारा परेड़ का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात महिला रिक्रूट्स की टोली ने शानदार ड्रिल का प्रदर्शन कर मंच में खड़े मुख्य अतिथि को सलामी दी। मुख्य अतिथि ने रिक्रूट्स कांस्टेबल को शपथ दिलाने के पश्चात उन्हे बधाई देते हुए देश सेवा के लिए समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस लाइन हरिद्वार को 200 महिला रिक्रूट्स के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी जिनमें से अन्य परीक्षा (पटवारी, वीडीओ इत्यादि) उत्तीर्ण

करने एवं अन्य कारणों से 33 चयनित अभ्यर्थी उक्त प्रशिक्षण का हिस्सा नही बनी। शेष 167 महिला आरक्षियों द्वारा 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकुशल समस्त टेस्ट पास किए गये। 15 जून 2023 से शुरु हुए इस प्रशिक्षण के दौरान आरआई प्रशिक्षण अनिता गैरोला के नेतृत्व में 34 आईटीआई व पीटीआई तथा अन्य स्टाफ द्वारा महिला आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया गया।

ईजमाईट्रिप ने मालदीव की सारी बुकिंग कैंसिल की, 'चलो लक्षद्वीप अभियान' शुरु

नई दिल्ली। भारत और मालद्वीव के बीच विवाद का असर अब सैलानियों पर भी दिखने लगा है। भारतीय ट्रैवल कंपनियां अब मालद्वीव की बुकिंग भी कैंसिल कर रही हैं और सैलानियों को लक्षद्वीप जाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। दरअसल, देश के दूसरे सबसे बड़े ट्रैवल पोर्टल ईजमाईट्रिप के को-फाउंडर प्रशांत पित्ती ने

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा, हमारी कंपनी पूरी तरह भारतीय और मेड इन इंडिया है। हम मालदीप के साथ उपजे ताजा विवाद के बाद अपने देश और सरकार के साथ खड़े हैं। इसलिए हम भारतीयों से अपील करते हैं कि वे विदेश घूमने के बजाए भारत में घूमकर आएं। प्रशांत ने कहा, मालदीव घूमने वालों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की होती है। हमारे पोर्टल ने ही बीते साल कुल 8 हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसमें से बड़ा हिस्सा मालदीव घूमने वालों का भी था। लेकिन, ताजा विवाद के बाद हम मालदीव की सारी फ्लाइट कैंसिल कर रहे हैं। हमारे पोर्टल से मालदीव के लिए जो भी बुकिंग की गई है, सभी कैंसिल की जा रही है। अब हम मालदीव के लिए बुकिंग आगे भी नहीं करेंगे।

बिलकिस बानो के 11 दोषियों को फिर जाना होगा जेल!

नई दिल्ली। बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप करने और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या करने वाले 11 दोषियों को सजा में छूट दे दी गई थी और उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के इस आदेश को गलत बताया है और उक्त आदेश को तत्काल प्रभाव से पलटते हुए सभी 11 दोषियों को दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने फरमान सुनाया है। यानि दोषियों को दो सप्ताह के अंदर सरेंडर करना होगा। इस प्रकार बिलकिस बानो के सभी 11 दोषी फिर से

जेल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए एक बड़ी टिप्पणी करते हुए सरकारों को नसीहत भी दे डाली है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि एक पीड़ित महिला को सम्मान और इंसाफ का अधिकार है। चाहे वह समाज के किसी वर्ग से आती हो। चाहे वह किसी धर्म को मानती हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की तकलीफ का अहसास सभी को होना चाहिए।

गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप किया गया था और उसके परिवार के लोगों की हत्या की गई थी। जिसके बाद बिलकिस बानो के 11 दोषी इस पूरे कांड में जेल में सजा काट रहे थे। लेकिन 2022 में गुजरात सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 11 दोषियों को छोड़ने के आदेश दे दिया। उनकी सजा माफ कर दी। गुजरात सरकार के इस आदेश पर देश में काफी चर्चा रही। जिसके बाद पीड़िता बिलकिस बानो ने गुजरात सरकार के आदेश से आहत होकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। जहां जस्टिस नागरत्ना, जस्टिस उज्ज्वल भूयान की पीठ ने पिछले साल अगस्त में 11 दिन तक सुनवाई की और इसके बाद पिछले साल ही 12 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

राम धुन की अनुगूंज

इन दिनों पूरे देश में राम धुन अनुगूंज सुनाई दे रही है। अयोध्या में एक बार फिर श्री राम पधारने जा रहे हैं। त्रेता युग में भगवान राम अपना वनवास पूरा कर जब अयोध्या वापस लौटे थे तब अयोध्या वासियों ने उनके 14 साल बाद आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया था देशवासी आज भी दीप पर्व (दीपावली) के रूप में इस दिन को मानते हैं। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या से मुस्लिम आक्रांताओं ने उनके स्मृति चिन्हो और आस्था स्थलों को मिटाकर सनातन के खिलाफ किए गए षडयंत्रों से अब समय आगे बढ़ चुका है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और काशी का कायाकल्प इसका प्रमाण दे रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अदालत की फैसले और हिंदू मुस्लिम दोनों पक्षों की सहमति से ही हो सका है। लेकिन अब जब राम मंदिर का निर्माण हो चुका है और इस मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है, एक बार फिर इस मुद्दे पर राजनीतिक रंग भी चढ़ता दिख रहा है। भाजपा जिसने इस मुद्दे पर दशको लंबी राजनीतिक और सामाजिक लड़ाई लड़ी वह राम मंदिर निर्माण को चुनाव में भुनाने में कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती है वहीं विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा भी इस पर सवाल उठाया जाना स्वाभाविक ही है। मुद्दा धर्म और आस्था से तो जुड़ा हुआ है ही साथ ही इस मुद्दे के राजनीतिक निताथ क्या रहे है और क्या है यह किसी से भी दबा छुपा नहीं है। कांग्रेस नेताओं द्वारा भाजपा पर आरोप लगाया जा रहा है कि उसके द्वारा राम मंदिर का निर्माण कार्य आधा अधूरा होने के बीच ही प्राण प्रतिष्ठा कराया जाना उचित नहीं है वह 2024 के लोकसभा चुनाव में इसका लाभ लेने के लिए ऐसा कर रही है। वहीं भाजपा के नेता भी यह कहने से नहीं चूक रहे हैं कि अगर उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार की जगह है सपा या अन्य किसी की सरकार रही होती तो अयोध्या में राम मंदिर निर्माण संभव ही नहीं था। सपा सुप्रीमो स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में अयोध्या में क्या हुआ था या स्वर्गीय मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के कार्यकाल में क्या हुआ था? इन गढ़े मुर्दों को शायद आज नहीं उखाड़ा जा रहा होता यदि अयोध्या के राम मंदिर का मुद्दा सिर्फ आस्था और धर्म का मुद्दा ही होता इन सब बातों को वर्तमान समय में इसलिए उखाड़ा जा रहा है क्योंकि इस राम मंदिर निर्माण की पृष्ठभूमि से राजनीति के गहरे सरोकार रहे हैं। इन दिनों अखबारों में किसी पेज के कोने में ऐसी खबरें भी छप रही है कि राम मंदिर के द्वितीय तल का निर्माण कार्य प्राण प्रतिष्ठा के बाद जारी रहेगा तथा अभी सिर्फ भूतल और प्रथम तल का निर्माण कार्य ही पूरा किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए सिर्फ भूतल को ही खोला जाएगा। इसका सीधा अर्थ है कि अभी राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है और इसमें लंबा समय लगेगा। भाजपा ने सालों पहले इसके निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक सभी कार्यक्रम पहले से ही तय कर लिए थे। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। सरकारी बसों में राम भजन और राम धुन सुनाई दे रही है। पूजित अक्षत कलश तमाम राज्यों में भेजे जा चुके हैं। मंदिरों में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ भी शुरू हो चुके हैं। घर-घर दिए भी भेजे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों से मकर संक्रांति से 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा तक भजन कीर्तन और अखंड ज्योति जलाने की अपील कर चुके हैं। हवाई सेवा से लेकर अयोध्या जाने के लिए विशेष ट्रेन और बसें भी चलाई जा रही है। इन दिनों पूरे देश में सिर्फ एक धुन सुनाई दे रही है और वह धुन श्री राम धुन है। राम मंदिर के निर्माण से देश में रामराज की स्थापना हो सके और सभी देशवासी जो इस रामधुन को सुन रहे हैं गा रहे हैं या जिन्हें यह रामधुन भा रही है प्रभु श्री राम सभी देशवासियों का बेड़ा उस भवसागर से पार करें जिसमें उनके जीवन नैया हिचकोले खा रही है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोकुल धाम कालोनी हरिपुर कला निवासी रोहित राज ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बुलेट मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी थी उसको कोई चोरी करके ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चैकिंग अभियान शुरू किया। चैकिंग के दौरान पुलिस ने चोरी की बुलेट मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम क्षितिज शर्मा पुत्र मनोज शर्मा निवासी गोल कोठी के पास हरिपुर कला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुनानो देववीतय इन्द्रस्य याहि निष्कृतम्।
द्युतानो वाजिभिर्यतः।।
(ऋग्वेद ९-६४-१५)

हे उपासना के योग्य परमेश्वर ! आप पापवृत्ति को दूर करते हैं। आप सभी को पवित्र करते हैं। जो कर्मयोगी आपकी उपासना करते हैं और आपके ज्ञान से प्रकाशित हैं। वे आपकी अनुभूति कर पाते हैं।

प्रभु श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

संवाददाता

देहरादून। डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ उत्तराखण्ड के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने कहा कि सभी व्यापार संगठनों के पदाधिकारी चाहते है कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन 22 जनवरी को सरकार को सार्वजनिक अवकाश घोषित करना चाहिए।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए विवेक अग्रवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से 22 जनवरी 2024 को रामलला प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के दिन सार्वजनिक अवकाश करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि उपरोक्त के संदर्भ में सभी व्यापारी आज प्रेस के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तराखंड के संज्ञान में लाना चाहते हैं की उपरोक्त तिथि को 500 साल के थकाने वाले लम्बे संघर्ष व अनगिनत बलिदानों के बाद प्रभु श्री राम के मूल जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का उद्घाटन एवम प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि यह समारोह सनातन धर्म के इतिहास तथा इस सदी का सबसे बड़ा समारोह होगा। सभी व्यापारी, कर्मचारी भी इस समारोह को आनन्द पूर्वक, सुगमता पूर्वक बिना किसी बाधा के मना सके, इसके लिए हम आपके माध्यम से अनुरोध करते है की इस महादिन को मुख्यमंत्री से सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की अपील करते हैं। इस संबंध में

21 जनवरी को गीता भवन मंदिर में होगा भव्य आयोजन

बहुत जल्द हम मुख्यमंत्री को भी एक ज्ञापन देंगे। अग्रवाल ने कहा कि आपको बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि प्रभु राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व संध्या अर्ताथ दिनांक 21 जनवरी दिन रविवार को व्यापारी श्री गीता भवन मंदिर राजा रोड पर अपने सदस्य एवं उनके परिवारों के लिए बहुत ही भव्य कार्यक्रम जिसमें संगीत मय सुंदर कांड उदित -अनुभव नारायण (सेलाकुई) द्वारा किया जाएगा। अपने नगर वासी प्रदेशवासी और देशवासियों के मंगल कामना हेतु 2100 दीपदान का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जो बच्चे हमारे बीच में पहुंचेंगे उन सभी के लिए श्री रामायण के ऊपर एक चित्र कला प्रतियोगिता रखी जा रही है। इस कार्यक्रम में करीब 600 सदस्यों एवं उनके परिवार के उपस्थित रहने की उम्मीद है। कार्यक्रम के पश्चात प्रसादम् की व्यवस्था भी श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति' एवं उनके सहयोगी संस्थाओं द्वारा की जा रही है। पत्रकार वार्ता में कमलजीत शर्मा महामंत्री, अजय गर्ग कोषाध्यक्ष, संरक्षक राजेश सिंघल, संजीव अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक सिंघल, युवा व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन से मनोज गोयल अध्यक्ष के साथ महामंत्री अभिषेक गोयल, अनुज गोयल अजय गुप्ता,जनरल मर्चेंट एसोसिएशन से महावीर प्रसाद गुप्ता अध्यक्ष, महामंत्री अशोक ठाकुर, सुरेंद्र गोयल, राजकुमार अरोड़ा, दर्शनी गेट बाबूगंज व्यापार मंडल दीपक गुप्ता अध्यक्ष, महामंत्री अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आयुष जैन आदि उपस्थित रहे।

पुश्ता निर्माण के लिए अधिशासी निर्देशक को लिखा पत्र

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय राजमार्ग टिहरी गढवाल में भू-स्खलन से क्षतिग्रस्त पुश्ते के निर्माण के लिए अधिशासी निर्देशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र भेजा।

आज यहां वुड हील रिजोट यमुना ब्रिज रोड टिहरी गढवाल निवासी मोहन सिंह पंवार ने अधिशासी निर्देशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परिवहन मंत्रालय को पत्र लिखते हुए बताया कि इस वर्ष बरसात के कारण जीवन आश्रम के निकट जीवन आश्रम मसूरी यमुना ब्रिज रोड, गस्ती मोड, ग्राम बेडयाना राष्ट्रीय राजमार्ग जिला टिहरी पर काफी बडा भू-स्खलन हुआ है। जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस भू-स्खलन के कारण आसपास की काफी सम्पत्तियों को खतरा हो गया है खतरे को रोकने के लिए तुरन्त वास्तविक स्थान पर पुश्ता लगाने की आवश्यकता है। जिससे आगे के नुकसान को रोका जा सके।

खानपुर में सिडकुल की स्थापना मेरे प्रयासों से हुई है: चैंपियन

संवाददाता

देहरादून। खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव चैंपियन ने कहा कि खानपुर विधानसभा में सिडकुल की स्थापना उनके प्रयासों से हुई है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए चैपियन ने कहा कि शिक्षा रोजगार का वादा अपने घोषणा पत्र में किया था। उन्होंने कहा कि 2007 में चुनाव जीतने के बाद उसने अपने क्षेत्र में बिरला टायर प्लांट लगवाया जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा हिक इसके बाद उसने अपने क्षेत्र में सिडकुल की स्थापना की घोषणा की थी। 2016 में कांग्रेस की सरकार को गिराकर भाजपा से 2017 को भाजपा से चुनाव लडे और जीते। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मंच से सिडकुल की घोषणा कराये जिसके बाद

पुष्कर सिंह धामी की सरकार आयी और पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव आचार संहिता से एक दिन पहले 7 जनवरी 2022 को खानपुर में सिडकुल की स्थापना के लिए शासनादेश जारी किया गया। विधानसभा चुनाव में उनको अपनी ही पार्टी के लोगों ने हरा दिया और निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन देकर उसको चुनाव में जीत दिला दी। चैपियन ने कहा कि चुनाव हारने के बाद भी वह अपने क्षेत्र के लिए काम करते रहे जिसके चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनके विधानसभा क्षेत्र में तीस करोड रूपये के तीन पुल उसके कहने पर बनवाये। उसने कहा कि उसके प्रयास से मुख्यमंत्री ने उनके क्षेत्र में सिडकुल की स्थापना के आदेश कर दिये तथा उसके लिए एमडी राकेश मीणा को बनाकर भेज दिया है। उनके प्रयासों से ही सिडकुल की स्थापना हो सकी है।

अनार का सेवन जरूर करते होंगे आप लेकिन नहीं जानते होंगे ये फायदे

एक अनार कई बीमारियों से बचाने में सक्षम है। अनार खाने के कई सारे फायदे हैं। अनार के जूस में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन, फाइबर, खनिज और फ्लेवोनोइड भरपूर मात्रा में होता है। अनार कई बीमारियों के इलाज में भी काफी मददगार है। ये विटामिन्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई विशेष रूप से पाया जाता है। साथ ही इसमें फोलिक एसिड भी पाया जाता है। आइये जानते हैं.....

रक्तचाप को नियंत्रित: अनार रक्तचाप को नियंत्रित करता है, खास तौर से हाई ब्लड प्रेशर में यह लाभप्रद है, परंतु अगर आप निम्न रक्तचाप के मरीज हैं या डॉक्टर के अनुसार दवाईयों का सेवन कर रहे हैं तो यह कभी-कभी नुकसानदायक हो सकता है।

बढ़ती है इम्यूनिटी: अनार एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिकों में समृद्ध होता है। अनार का जूस आपके रोग प्रतिरोधक शक्ति को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही ये कई तरह की बीमारियों और संक्रमणों से आपको दूर रखने में मदद करता है।

दिमाग करे तेज़: अगर आप चीज़ों को बार-बार भूल जाते हैं तो रोज़ाना अनार खाना शुरू कर दें। ये आपके दिमाग को तेज़ करता है और अल्ज़ाइमर जैसी भूलने की बीमारी को धीरे-धीरे कम करता है। इसीलिए हर दिन नाश्ते के साथ इसका सेवन करें। आप चाहे तो इसका जूस भी पी सकते हैं।

वजन कम करने में मददगार: आपको शायद यह जानकर हैरानी हो सकती है कि अनार का उपयोग वजन घटाने के लिए भी किया जा सकता है। अनार में कुछ मात्रा फाइबर की होती है, यही कारण है कि यह मोटापा घटाने में आपकी मदद कर सकता है। अनार के जूस में फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो आपके पेट को अधिक समय तक भरा रखता है। तो अगर आपको अपना वजन कम करना है तो आप इसे अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

विटामिन 'सी' से भरपूर: अनार के जूस में विटामिन 'सी' की मात्रा भरपूर होती है, जो आपकी दैनिक आवश्यकता का 40 प्रतिशत से अधिक होता है। विटामिन 'सी' हाई ब्लड प्रेशर और अन्य हृदय संबंधित रोगों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण होता है।

लैवेंडर तेल के ये फायदे जानकर आप भी हो जायेंगे हैरान

घबराहट एक ऐसी मनोदशा है,जिसे मन से निकाल फेंकना बहुत मुश्किल होता है। बेचैनी की इस समस्या से जूझते इंसान की सेहत पर उसके घर की साज-सज्जा का निस्संदेह असर पड़ता है। बदलती हुई जीवनशैली के साथ नयी पीढ़ी के लोगो में भी घबराहट की समस्या देखि जा रही है। घबराहट के मुख्य लक्षण जैसे अचानक से किसी भी बात पर दिल घबराना और दिल की धड़कने तेज होना आदि। साथ ही ब्लड प्रेशर एक दम कम हो जाता है।

महामारी के दौरान, चिंता हमारे लिए जीवन का एक हिस्सा बन गई थी। चाहे वह हमारे स्वास्थ्य की वजह से हो, या रिश्तों के भविष्य के लिए, सब कुछ हमारे दिमाग में तनाव पैदा करता है। हालांकि हमारी एंग्जायटी थोड़े समय के लिए ही रहती है, लेकिन यह आपको बहुत असहज महसूस करा सकती है। चूंकि लैवेंडर का तेल नसों को शांत करता है, यह आपकी मनोदशा को सुधारने और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। लैवेंडर के तेल को सूंघने से घबराहट की बीमारी में आपको बहुत अधिक राहत मिल सकती है। लैवेंडर तेल उच्च रक्त चाप और निम्न रक्तचाप को सामान्य बनाता है। लैवेंडर से बनी गोली का सेवन करने से कुछ ही समय में घबराहट और चिंता की समस्या ठीक हो जाती है।

मानसिक रोग को ठीक करने के लिए आप साबुत अनाज से बनी किसी भी चीज का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको घबराहट व चिंता की समस्या से निजात मिलेगा कैमोमाइल की चाय दिमाग की नसों को शांत रखती हैं। इस चाय में एंटी इंफलेमेंटरी गुण होते हैं जो बेचैनी व घबराहट को दूर करते हैं। ये तो आप सब जानते ही है कि अगर हम अच्छी नींद से वंचित रह जाते हैं, तो हम कैसे चिड़चिड़े हो जाते हैं। यदि आप रात को अच्छी नींद पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो यह लैवेंडर का फायदा लेने का समय है।

स्टैमिना को एक सप्ताह में बढ़ाये

क्या आप अक्सर थकान महसूस करते हैं? क्या आपको किसी भी छोटी मोटी बीमारी से ठीक होने में बहुत अधिक समय लगता है? यदि हाँ, तो इसका अर्थ है कि आपकी क्षमता कम हो चुकी है। स्टेमिना से तात्पर्य मनुष्यों की नियमित कार्यों को आसानी से करने की क्षमता से है।

स्टेमिना को सहन शक्ति, उर्जा, चेतना आदि भी कहा जाता है तथा मनुष्यों को सामान्य जीवन जीने के लिए यह बहुत आवश्यक घटक है। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं होगी तो आप काम नहीं कर पायेंगे जिससे आपके जीवन की गुणवत्ता में कमी आयेगी। यदि आपके पास पर्याप्त स्टेमिना नहीं है तो कसरत करना, काम पर जाना, लोगों से मिलना जुलना और यहाँ तक कि सेक्स करना भी आपको बहुत कठिन लगेगा। अत: कुछ ऐसे पदार्थों के बारे में जानें जिन्हें आप अपने आहार में शामिल करके कर एक सप्ताह में अपना स्टेमिना बढ़ा सकते हैं।

1. केला: शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में होते हैं तथा शरीर में उर्जा के निर्माण के लिए कार्बोहाइड्रेट की अत्यंत आवश्यकता होती है।

2. अंडा: अंडा नाश्ते में खाया जाने वाला ऐसा पदार्थ है जो आपको दिन भर उर्जावान बनाये रखता है क्योंकि इसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और इस प्रकार यह आपकी चयापचय को बढ़ाता है।

3. कॉफ़ी: कॉफ़ी में कैफीन पाया जाता है जो केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करके उसे सक्रिय रखता है। इससे आपका शरीर पूरे दिन सक्रिय और उर्जा से भरा हुआ रहता है।

4. एवोकैडो: एवोकैडो एक विशेष फल होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है जिसकी आवश्यकता शरीर की प्रत्येक कोशिकाओं को होती है। इस प्रकार यह आपके स्टेमिना को बढ़ाता है।

5. शकरकंद: केले में पोटैशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में कुछ विशेष प्रकार के हार्मोन्स का उत्पादन बढ़ाता है जिससे शरीर में उर्जा का स्तर बढ़ता है। यहाँ तक कि कसरत करने से पहले भी केले का सेवन किया जाता है।

6. ओट्स: ओट्स नाश्ते में खाया जाने वाला एक अन्य पदार्थ है जिसमें कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है तथा यह आपके स्टेमिना के स्तर को दिन भर बनाए रखता है।

7. पीनट बटर: पीनट बटर में प्रोटीन और ओमेगा-3 फैट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ये दोनों ही आपके उर्जा के स्तर को बढ़ाते हैं तथा मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

बच्चों के साथ इस तरह बनाएं हेल्दी बॉन्ड, फिर आपसे कुछ न छुपाएगा, हर बात बताएगा

आजकल ज्यादातर पेरेंट्स वर्किंग हैं। इस वजह से बच्चे ज्यादा समय अकेले ही रहते हैं। जिस वजह से उनका माता-पिता के साथ हेल्दी रिलेशन नहीं बन पाता है। ऐसे में बच्चों में जिद्दीपन आ जाता है या फिर वे चुप-चुपकर रहने लगते हैं। इसकी वजह से कुछ बच्चे डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक बीमारी की चपेट में भी आ जाते हैं। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप अपने बच्चे के साथ हेल्दी बॉन्ड बना सकते हैं। इससे उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं आती और वे अपनी हर बात आपसे शेयर करने लगते हैं।

बच्चों से इस तरह बनाएं हेल्दी बॉन्ड

बच्चों के साथ फ्रेंड्स की तरह रहिए

सबसे पहली बात की अपने बच्चे के साथ हमेशा दोस्त की तरह रहिए। ऑफिस से आने के बाद सबसे पहले उनसे मिलें और उनके दिनभर के रूटीन को जानिए। इससे बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगी और आपको दोस्त समझेगा। वह हर अच्छी और बुरी बात आपसे शेयर करने लगेगा।

अपशब्दों का इस्तेमाल न करें

कई पैरेंट्स बच्चों को डांटते या मारते समय अपशब्द बोलते हैं। जिसका बुरा असर बच्चों के दिमाग पर पड़ता है। इसलिए कभी भी गुस्से में गलत शब्दों का इस्तेमाल बच्चों के सामने करने से बचिए। किसी बात पर उन्हें समझाएं और कोशिश करें कि उन्हें हर्ट न हो। इससे बच्चे आपसे अच्छा बॉन्ड बना पाएंगे।

समय निकालकर बच्चों के साथ खेलें

बच्चों के साथ हेल्दी बॉन्ड बनाना है तो समय निकालकर उनके साथ खेलें। लूडो, चेस, टेबल टेनिस, फुटबाल या कोई और गेम खेल सकते हैं। इससे बच्चा आपसे अच्छा बॉन्ड बना पाएगा और आप दोनों का रिलेशन काफी मजबूत होगा। इसका फायदा बच्चों को दिमाग को भी होगा और वह खुश रहेगा।

बच्चों को कहानियां सुनाएं

रात में सोने से पहले बच्चें को मोरल वैल्यूज वाली कहानियां जरूर सुनाएं। इससे बच्चे के अंदर अच्छे संस्कार आते हैं और उसे अच्छी नींद भी आती है। कहानियों से बच्चों का माता-पिता से अच्छा बॉन्ड बनता है। यह सबसे अच्छा तरीका भी माना जाता है। इसके अलावा अपनी इच्छाएं बच्चों पर कभी न थोपे। उनकी पसंद का ख्याल जरूर रखें।

वित्तीय संघवाद का फॉर्मूला

सोलहवें वित्त आयोग से अपेक्षा रहेगी कि वह ऐसा फॉर्मूला सुझाए, जिससे सभी राज्य भारतीय संविधान की भावना के मुताबिक संघ की एक इकाई के रूप में स्वाभिमान से अपना राजकाज चला सकें। साथ ही स्थानीय निकाय स्वायत्त इकाई के रूप काम करने में सक्षम हों। केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। रविवार को इस एलान से दो रोज पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयोग के विचारणीय मुद्दों को तय किया था। नव-उदारवादी अर्थशास्त्री अरविंद पनागडि?ा इस आयोग के अध्यक्ष होंगे, जो नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में नीति आयोग का नेतृत्व भी कर चुके हैं। पनागडि?ा उन गिने-चुने प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों में हैं, जो मोदी सरकार के पैरोकार बने हुए हैं। हालांकि वे आयात शुल्क बढ़ाकर घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने की मोदी सरकार की नीति से सहमत नहीं रहे हैं, इसके बावजूद मोटे तौर पर वे उसकी नीतियों के समर्थक हैं। पनागडि?ा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च बढ़ाने जैसे उपायों के आलोचक हैं। उनकी यह राय उस समय जाहिर हुई, जब उन्होंने विकास के ओडीशा मॉडल की तारीफ की, जबकि राजस्थान की पूर्व अशोक गहलोत सरकार की चिरंजीवी योजना को गलत दिशा में उठाया गया कदम बताया था। अनुमान लगाया जा सकता है कि अगले वित्त आयोग की सिफारिशों पर उनकी इस सोच का असर नजर आएगा। एक अप्रैल 2026 से अगले पांच साल तक के लिए इस आयोग को केंद्र और राज्यों के बीच संसाधनों के बंटवारे, आपदा सहायता के निर्धारण, और स्थानीय निकायों को धन आवंटन के सिद्धांत तय करने हैं। जीएसटी लागू होने के बाद राज्य केंद्र से मिलने वाले धन पर लगभग पूरी तरह निर्भर हो गए हैं। उनकी लाचारी कोरोना काल में सबको देखने को मिली थी। 16वें वित्त आयोग से अपेक्षा रहेगी कि वह ऐसा फॉर्मूला सुझाए, जिससे सभी राज्य भारतीय संविधान की भावना के मुताबिक संघ की एक इकाई के रूप में स्वाभिमान से अपना राजकाज चला सकें। वरना, जीएसटी पर पहले से मौजूद सवाल और गहरा जाएंगे। इसके साथ ही स्थानीय निकायों के लिए धन आवंटन की ऐसी व्यवस्था की अनिवार्यता है, जिससे ये निकाय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन की भावना के मुताबिक एक संपूर्ण एवं स्वायत्त इकाई के रूप काम करने में सक्षम हो सकें। इन मकसदों का नव-उदारवादी अर्थशास्त्र से भी कोई अंतर्विरोध नहीं है। इसलिए अपेक्षा है कि पनागडि?ा आयोग इन मामलों में जारी संशयों का हमेशा के लिए अंत कर देगा। (आरएनएस)

चरमरा रहा है लोकतंत्र

आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुल गया है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं।

विश्व मीडिया में 2024 को चुनावों का साल बताया गया है। इस वर्ष तकरीबन 60 देशों में किसी ना किसी स्तर के चुनाव होने हैं। शुरुआत बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले संसदीय चुनाव होगी। लेकिन असल में वहां मतदाताओं के सामने चुनने के लिए कोई सार्थक विकल्प नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की अवामी लीग सरकार विपक्ष को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का भरोसा नहीं दिला पाई, इसलिए मुख्य विपक्षी दल- बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी- ने चुनाव का बायकॉट कर दिया है। इस वर्ष आठ फरवरी को पाकिस्तान में संसदीय एवं प्रांतीय चुनाव होंगे। लेकिन वहां के वास्तविक शासक- सैन्य एवं खुफिया तंत्र- ने देश के सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान और उनकी पार्टी को मुकाबलों से जबरन बाहर कर दिया है। अप्रैल-मई में भारत में चुनाव होंगे, जहां यह आम धारणा बन गई है कि अब सभी राजनीतिक दलों को मुकाबले का समान धरातल नहीं मिलता।

साल के आखिर- यानी नवंबर में दुनिया का ध्यान अमेरिका पर टिकेगा, जहां नए राष्ट्रपति का चुनाव होगा। लेकिन इस बीच जिस संदिग्ध ढंग से सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रंप को मुकाबले से बाहर करने की कोशिशें की जा रही हैं, उससे अमेरिकी लोकतंत्र पर भी सवाल गहराते जा रहे हैं। ये सिर्फ कुछ प्रमुख मिसालें हैं। वरना, आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि राजनीतिक चर्चाएं सांस्कृतिक एवं पहचान संबंधी मुद्दों पर केंद्रित हो गई हैं। इससे ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुला है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं। अनेक देशों में लिबरल अभिजात वर्ग ने इन ताकतों के आगे समर्पण कर दिया है, जबकि कुछ जगहों पर ऐसे नेताओं को वैसे तरीकों से रोकने कोशिश हो रही है, जिन्हें किसी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। नतीजतन, लिबरल डेमोक्रेसी चरमराती नजर आ रही है। इसका क्या दूरगामी परिणाम होगा, अभी यह साफ नहीं है। लेकिन तात्कालिक परिणाम के तौर पर लोकतांत्रिक मान्यताएं और संस्थाएं बेदम होती जा रही हैं और तानाशाही प्रवृत्तियों की जड़ मजबूत हो रही है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आपका भी बार बार करता है मीठा खाने का मन!

अक्सर किसी खास मौके पर मीठे के बिना सेलिब्रेशन अधूरा-अधूरा सा लगता है। बहुत से लोग तो मीठा खाने का बहाना ढूंढते रहते हैं।उन्हें मीठा काफी पसंद होता है। हालांकि, इसका सेहत पर बुरा असर पड़ता है। फलों, सब्जियों, अनाज और डेयरी प्रोडक्ट्स में नेचुरल शुगर पाई जाती है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं होती है लेकिन आर्टिफिशियल शुगर या एडेड शुगर से मोटापा, डायबिटीज और दिल की समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। जरूरत से ज्यादा मीठा सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। एक स्टडी में बताया गया है कि जरूरत से ज्यादा चीनी खाने से मोटापा, हार्ट डिजीज, फैटी लीवर और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। पिछले कुछ अध्ययनों में भी पता चला है कि एडेड शुगर शरीर के नेचुरल ब्लड शुगर के लेवल बढ़ा देती है। इससे कई लोग प्री-डायबिटिक भी हो जाते हैं।

शुगर क्रेविंग कैसे कंट्रोल करें

अपनी डाइट में मीठा सीमित मात्रा में रह रखें। मीठा खाने वालों के लिए इसे कंट्रोल करना अतना आसान नहीं होता है। उन्हें बार-बार मीठा खाने की क्रेविंग हो सकती है। जिसको लेकर हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ उपाय बताए हैं। एक्सपर्ट्स ने बताया कि आंत के बैक्टीरिया में असंतुलन से मीठा खाने की क्रेविंग होती है। जब हानिकारक बैक्टीरिया की संख्या बढ़ती है तो मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में मीठे की क्रेविंग कम करने के लिए हाई फाइबर फूड्स फायदेमंद हो सकते हैं। क्योंकि ये हेल्दी गट माइक्रोबायोम को बढ़ावा देकर क्रेविंग को कम करते हैं।

शुगर क्रेविंग कंट्रोल करने क्या खाएं

रिफाइंड शुगर की बजाय फलों के सेवन से पेट के माइक्रोबायोम मैनेज होते हैं। इससे क्रेविंग कम करने में मदद मिलती है। हाई फाइबर वाले फलों में सेब, नाशपाती, केला, संतरा, कीवी, स्ट्रॉबेरी, आड़ू, आलू बुखारा, आम, तरबूज और अमरूद का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हर दिन 6 चम्मच से कम चीनी का सेवन करने और लाइफस्टाइल को सही रखने से इसके खतरे को कम किया जा सकता है।

धनुष की कैप्टन मिलर संक्रांति/पोंगल पर रिलीज़ हो रही है

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुपरस्टार धनुष की अरुण मथेश्वरन द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित हाई-बजट पीरियड फिल्म कैप्टन मिलर अपनी नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है।

यह पीरियड फिल्म 1930-40 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म को टी.जी. द्वारा प्रस्तुत किया गया है। सत्य ज्योति फिल्म्स के त्यागराजन और सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित। फिल्म जी सरवनन और साई सिद्धार्थ द्वारा सह-निर्मित है।

ताजा अपडेट यह है कि कैप्टन मिलर 2024 में पोंगल/संक्रांति के लिए सिनेमाघरों की शोभा बढ़ाएंगे। निर्माताओं ने इस पोस्टर के माध्यम से आधिकारिक तौर पर खबर दी, जहां धनुष को एक क्रूर अवतार में देखा जा सकता है। पोनीटेल और दाढ़ी के साथ धनुष पोस्टर में पहले कभी न देखे गए बड़े अवतार में दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका मोहन, संदीप किशन और डॉ शिव राजकुमार फिल्म के अन्य प्रमुख कलाकार हैं। सिनेमैटोग्राफी सिद्धार्थ नुनी ने संभाली, जबकि जीवी प्रकाश कुमार संगीत निर्देशक हैं। टी रामलिंगम प्रोडक्शन डिजाइनर हैं।

बाहुबली फ्रेंचाइजी, आरआरआर और पुष्पा जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके मदन कार्की ने फिल्म के तमिल संस्करण के लिए संवाद लिखे हैं। नागुरान संपादन का कार्यभार संभालते हैं।

कैप्टन मिलर तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा में एक साथ रिलीज होगी।

शब्द सामर्थ्य -055

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

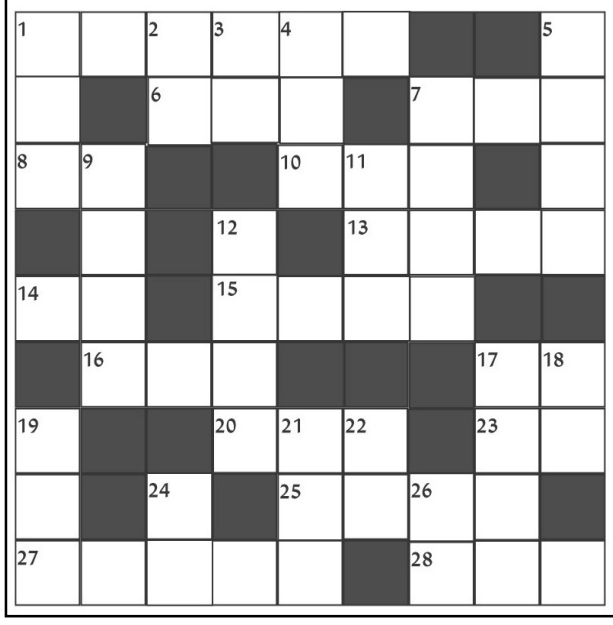

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 54 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सालार के बवाल के आगे डंकी का भी चला जादू

शाह रुख खान की फिल्म डंकी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। फिल्म की रफ्तार धीमी है, लेकिन लगातार आगे बढ़ती जा रही है। अब न्यू ईयर से पहले ही फिल्म को सेलिब्रेशन का मौका मिल गया है। पठान और जवान के साथ बैक-टू-बैक एक्शन ब्लॉकबस्टर देने के बाद डंकी साल 2023 में शाह रुख की तीसरी और आखिरी रिलीज है।

डंकी का वर्ल्डवाइड बिजनेस 400 करोड़ के करीब पहुंच गया है। बस कुछ दिनों में फिल्म इस जादुई आंकड़े को पार कर जाएगी। शाह रुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने डंकी की लेटेस्ट ओवरसीज बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट शेयर की है। एक्स पर वर्ल्डवाइड कलेक्शन का पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- ये कहानी हार्डी ने शुरू की थी... लेकिन इसे ढेर सारा प्यार आपने दिया है। इस प्यार भरे सफर का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया। डंकी की लेटेस्ट ग्लोबल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में 361.30 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। इसके साथ ही कुछ दिनों में डंकी 400 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी।

डंकी में शाह रुख खान ने लीड रोल निभाया है। फिल्म में उनके साथ तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर भी शामिल हैं। डंकी का डायरेक्शन राजकुमार हिरानी ने किया है। उन्होंने फिल्म की कहानी कनिका ढिल्लन और अभिजात जोशी के साथ मिलकर लिखा है। डंकी चार दोस्तों की कहानी है जो यूके जाना चाहते हैं। सारे पैंतरे आजमाने के बाद जब वे कानूनी रास्ते पर चलने में असफल हो जाते हैं, तो वे डंकी का रास्ता चुनते हैं। फिल्म इन चारों दोस्त के पंजाब से ब्रिटेन तक पहुंचने के संघर्ष को दिखाती है।

विष्णु मांचू की कन्नप्पा में नवोदित अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन नजर आएंगी

अभिनेता विष्णु मांचू की कन्नप्पा को नवोदित अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन के रूप में अपनी नायिका मिल गई है।

इसके बारे में बात करते हुए, निर्देशक मुकेश कुमार सिंह ने कहा, प्रीति के लिए, यह फिल्म उद्योग में सिर्फ एक शुरुआती कदम नहीं है, बल्कि कला और सिनेमा की दुनिया में एक छलांग है और ज्यादातर सीखना है। वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट थीं और हम उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

प्रीति द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए कास्टिंग प्रक्रिया कठोर थी, चरित्र के लिए उपयुक्त व्यक्ति को खोजने के लिए कई ऑडिशन आयोजित किए गए थे। खोज के बाद, फिल्म निर्माताओं ने उनकी असाधारण प्रतिभा और उनके द्वारा सामने लाए गए अनूठे आकर्षण को पहचानते हुए, प्रीति पर ध्यान केंद्रित किया।

भरतनाट्यम नृत्यांगना के रूप में प्रीति की पृष्ठभूमि उनके चरित्र में एक अद्वितीय कलात्मक आयाम लाती है।

एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर दहाड़ रही है एनिमल

रणबीर कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब बवाल मचाया है. संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला. ए सर्टिफिकेट और 3 घंटे से ज्यादा का रनटाइम फिल्म के फेवर में ही रहा और इसे देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की खूब भीड़ उमड़ी. इसी के साथ इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई भी की. यहां तक कि एक महीना हो जाने के बाद भी एनिमल की कमाई का सिलसिला जारी है.

रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने 63 करोड़ से ज्यादा के कलेक्शन के साथ बंपर ओपनिंग की थी और इसके बाद भी इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की. यहां तक कि शाहरुख खान की डंकी और प्रभास की सालार भी 'एनिमल' के कोहराम को रोक नहीं पाई हैं और रिलीज के एक महीने बाद भी 'एनिमल' करोड़ों में कमाई कर रही है. फिल्म अब रिलीज के पांचवे हफ्ते में है और इसकी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है.

'एनिमल' की कमाई की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 337.58 करोड़, दूसरे हफ्ते में 139.26 करोड़, तीसरे हफ्ते में 54.45 करोड़ और चौथ हफ्ते में 9.57 करोड़ की कमाई की थी. वहीं रिलीज के पांचवे शुक्रवार को 'एनिमल' का कलेक्शन 1 करोड़ और पांचवें शनिवार को 1.4 करोड़ रहा. वहीं अब फिल्म की रिलीज के पांचवें संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'एनिमल' ने रिलीज के पांचवें संडे को 1.60 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साछ 'एनिमल' की 31 दिनों की कुल कमाई अब 544.86 करोड़ रुपये हो गई है. 'एनिमल' की स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में कई शानदार एक्टर्स ने काम किया है. फिल्म में रणबीर कपूर, बॉबी देओल, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना. तृप्ति डिमरी सहित कई स्टार्स ने अपने दमदार अभिनय का लोहा मनवाया है. ये फिल्म 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.बता दें कि 'एनिमल' का निर्देशन कबीर सिंह फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने किया है.

विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का नया पोस्टर जारी

मेगा ब्लॉकबस्टर लियो के बाद साउथ सुपरस्टार थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु से हाथ मिलाया है। अस्थायी रूप से थलापति 68 शीर्षक वाली फिल्म की शूटिंग चल रही है और निर्माताओं ने अब थलपति 68 का पहला लुक जारी कर दिया है। नए साल 2024 से पहले निर्माताओं ने शीर्षक भी लॉन्च किया। थलापति 68 को अब द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नाम दिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, थलापति विजय फिल्म में पिता और बेटे की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी गवाही यह पोस्टर भी दे रहा है। नए लुक में दोनों किरदार सैन्य-ग्रेड जंपसूट पहने हुए हैं और उनके पीछे एक पुरानी शैली का यूक्रेनी विमान उड़ रहा है। नए लुक में उनके बीच एक पंक्ति भी लिखी हुई थी, जिसमें लिखा था, प्रकाश अंधेरे को भस्म कर सकता है, लेकिन अंधेरा प्रकाश को नहीं खा सकता।

हालांकि, फिल्म के बारे में ज्यादा विवरण अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन थलापति विजय के प्रशंसकों के लिए यह नए साल का आश्चर्यजनक उपहार है। फर्स्ट लुक से यह भी पता चला कि फिल्म की स्टंट कोरियोग्राफी दिलीप सुब्बारायण द्वारा की जाएगी, नृत्य कोरियोग्राफी राजू सुंदरम और सतीश द्वारा की जाएगी और साथ ही कई ट्रैक गीत भी लिखे जाएंगे। फिल्म 2024 में रिलीज होने की उम्मीद है।

इस फिल्म में माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद आकाश और अजय राज जैसे उनके निरंतर सहयोगी भी हैं।

थलापति विजय को आखिरी बार इस साल लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित लियो में देखा गया था। फिल्म में तृषा कृष्णन, संजय दत्त, अर्जुन सरजा, गौतम वासुदेव मेनन, मैसस्किन, मैडोना सेबेस्टियन, सैंडी मास्टर और कई अन्य लोग प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, अभिनेता ने यह खुलासा नहीं किया है कि वेंकट प्रभु की फिल्म पूरी करने के बाद उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अफवाह है कि उन्होंने एस शंकर और कार्तिक सुब्बाराज जैसे निर्देशकों के साथ हाथ मिलाया है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि लोकेश कनगराज शायद थलपति 71 के लिए एक बार फिर विजय के साथ काम करेंगे।

अक्षय ने बड़े मियां छोटे मियां फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया

साल 2024 में अक्षय कुमार मल्टीपल प्रोजेक्ट्स लेकर आ रहे हैं। इस साल उनकी कई फिल्में रिलीज के लिए पाइप लाइन में हैं। इस लिस्ट में बड़े मियां छोटे मियां का नाम भी शामिल है। अक्षय कुमार ने नए साल के मौके पर फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया है।

अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर बड़े मियां छोटे मियां का नया पोस्टर जारी किया। पोस्टर में अक्षय, टाइगर श्रॉफ के साथ जेट स्कीइंग करते हुए फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार ने पोस्ट के कैप्शन में न्यू ईयर विश करते हुए कहा, आपका नया साल बड़ा बने, छोटी छोटी खुशियों से। बड़े मियां छोटे मियां की तरफ से हैप्पी न्यू ईयर। थिएटर्स में मिलने के लिए 2024 की ईद बुक करना न भूले। चलिए 2024 में धमाल मचाते हैं।

बड़े मियां छोटे मियां के रिलीज की बात करें तो ये मच अवेटेड फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। फिल्म साल 2024 में ईद के मौके पर रिलीज की जाएगी। बड़े मियां छोटे मियां को वासु भगनानी और जैकी भगनानी के प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। बड़े मियां छोटे मियां में जबरदस्त एक्शन सीन देखने को मिलेगा। फिल्म के कई स्टंट सीन्स को हॉलीवुड के एक्शन एक्सपर्ट की टीम के साथ शूट किया गया है। वहीं, स्टार कास्ट की बात करें, तो बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ शामिल हैं।

जूनियर एनटीआर ने देवरा के टीजर की रिलीज डेट का एलान

देवरा जूनियर एनटीआर की कोरटाला शिवा के साथ आने वाली फिल्म 2024 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में जान्हवी कपूर, सैफ अली खान, प्रकाश राज, शाइन टॉम चाको और कई अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। हाल के दिनों में फिल्म की पहली झलक की रिलीज डेट नजदीक होने को लेकर कई अफवाहें सामने आई हैं, लेकिन अब फिल्म के एक्टर जूनियर एनटीआर ने पहली झलक की रिलीज की तारीख का खुलासा कर दिया है।

नंदामुरी बालकृष्ण ने एक मीडिया बातचीत में पुष्टि की थी कि जैसे ही निर्माता वीएफएक्स से संतुष्ट होंगे, रिलीज की तारीख की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने टीजर पर अपनी प्रतिक्रिया भी सोशल मीडिया पर साझा की थी।

प्रतिभाशाली टॉलीवुड अभिनेता जूनियर एनटीआर शिव कोराटाला द्वारा निर्देशित देवारा- भाग 1 में दिखाई देंगे। पैन इंडियन फिल्म में जान्हवी कपूर लीड एक्ट्रेस के रूप में हैं। यह फिल्म 5 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जूनियर एनटीआर ने एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें ऐलान किया गया है कि देवरा की पहली झलक 8 जनवरी, 2024 को सामने आएगी। अब प्रशंसक बेसब्री से झलक के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

वहीं, फिल्म एनालिस्ट तरण आदर्श ने भी फिल्म का पोस्टर जारी किया है और इस बात की जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने बताया है कि फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी हैं। इस पोस्ट में बताया गया है कि फिल्म का पहला पार्ट 5 अप्रैल 2024 को आ रहा है। इसका मतलब है कि फिल्म दो भागों में बन रही है।

बता दें कि यह जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म है और इसके कुछ पोस्टर पहले भी जारी हो चुके हैं। जारी किए गए पोस्टर्स में अब तक जूनियर एनटीआर के साथ-साथ सैफ अली खान और जान्हवी कपूर के लुक भी रिलीज किए जा चुके हैं। फिल्म के पोस्टर्स में अबतक समुद्र को ही ज्यादातर बैकड्रॉप में दिखाया गया है। ऐसे में फिल्म की कहानी के समुद्र से जुड़े होने की उम्मीद जताई जा रही है।

लोकतंत्र के लिए अहम नया साल

अजीत द्विवेदी

नए साल की शुरुआत बांग्लादेश के चुनाव से हो रही है। सात जनवरी को बांग्लादेश में वोट डाले जाएंगे। उसके एक महीने बाद आठ फरवरी को पाकिस्तान में आम चुनाव होंगे और अप्रैल-मई में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र यानी भारत में लोकसभा चुनाव होना निर्धारित है। दक्षिण एशिया में गर्भनाल से जुड़े रहे ये तीनों देश भले आज अलग अलग हैं लेकिन इनमें बहुत कुछ एक जैसा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का लोकतंत्र दुनिया के किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक देश की तरह जीवंत है, जहां मतदाताओं की संख्या एक सौ करोड़ के करीब है और अगले चुनाव में मोटे तौर पर 7० करोड़ लोग मतदान में करेंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान में लोकतंत्र एक तमाशा है। पूर्व प्रधानमंत्री जेल में बंद हैं और चुनाव आयोग ने उनका नामांकन खारिज कर दिया है। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के आरोप में सजा पाए और देश छोड़ कर भाग गए नवाज शरीफ की वापसी हो गई है और उनका नामांकन स्वीकार हो गया है। तो समझा जा सकता है कि वहां चुनाव किस तरह से होंगे। बांग्लादेश में भी लोकतंत्र जैसे तैसे जिंदा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने समूचे विपक्ष को या तो जेल में डाल रखा है या देश निकाला दिया हुआ है।

बहरहाल, भारत में भी लोकतंत्र के लिए 2०24 का साल परीक्षा वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए चुनाव में उतरेंगे। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि अगर मोदी तीसरी बार जीतते हैं तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और फिर कभी चुनाव नहीं होंगे। कई विपक्षी पार्टियों के नेता दबी जुबान में यह बात कह रहे हैं और विपक्ष की एक मुखर आवाज बन कर उभरे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक खुल कर कह रहे हैं। हालांकि उनकी यह आशंका निराधार है कि मोदी तीसरी बार जीते तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा या चुनाव नहीं होगा। मोदी चुनाव क्यों नहीं कराएंगे? चुनाव से तो उनको वैधता मिलती है। उनके एजेंडे को स्वीकार्यता मिलती है। उनको और ताकत मिलती है। वे दुनिया भर में सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकप्रिय नेता के तौर पर सम्मान पाते हैं। सो, चुनाव नहीं होने की बातों का कोई मतलब नहीं है। चुनाव तो होते रहेंगे।

असली सवाल चुनाव की प्रक्रिया का है। उसकी विश्वसनीयता का है और लोगों के भरोसे का है। अगर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और अन्य पार्टियां चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं तो उसे सिर्फ विपक्ष की बेबुनियाद आशंका, उसकी हार का भय या मोदीफोबिया बता कर खारिज करने की बजाय विश्वसनीय तरीके से उसका निराकरण किया जाना चाहिए। विपक्ष इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन को लेकर आशंकित है। उसमें छेड़छाड़ की संभावना देख रहा है। तो चुनाव आयोग को इस आशंका का जवाब देना चाहिए। यह कह देना पर्याप्त नहीं होगा कि चुनाव आयोग ने खुली चुनौती दी थी कि कोई मशीन हैक करके दिखाए लेकिन कोई हैक नहीं कर सका। चुनाव आयोग का यह मानना कि मशीन हैक नहीं हो सकती है, उसकी जिद है। उसे इस मामले को प्रतिष्ठा का सवाल नहीं बनाना चाहिए क्योंकि उसने न तो ईवीएम का आविष्कार किया है और न उसके कहने से चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ था और न ईवीएम ने उसे अपनी ब्रांडिंग के लिए मैनेजर नियुक्त किया है। ईवीएम बनाने का काम भी चुनाव आयोग का नहीं है। यह काम सरकार का है। और यह लोकतंत्र का सबसे पवित्र सिद्धांत है कि चुनाव आयोग के लिए जैसे सरकार यानी सत्तारूढ़ दल है वैसे ही विपक्ष है। उसे दोनों के प्रति समान भाव दिखाना चाहिए और जरुरत पडने पर सरकार के खिलाफ भी स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था विपक्ष के हर आरोप को खारिज करने लगे और सरकार की हर बात स्वीकार करने लगे तो उसमें गड़बड़ी भले कुछ न हो लेकिन आशंका पैदा होती है। तभी यह साल चुनाव आयोग की छवि बदलने वाला होना चाहिए क्योंकि लोकसभा के साथ इस साल जम्मू कश्मीर सहित आठ राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं।

सो, चुनाव आयोग को ईवीएम से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विपक्षी पार्टियों का यह प्रस्ताव है कि चुनाव भले ईवीएम से कराया जाए लेकिन वीवीपैट मशीनों से निकलने वाली पर्ची को मतदाता के देखने के बाद एक अलग बॉक्स में रखने की व्यवस्था हो, जिसे सबके सामने ईवीएम की तरह ही सील किया जाए और मतगणना में सारी पर्चियों को गिना जाए। इसमें नतीजे आने में निश्चित रूप से समय ज्यादा लगेगा लेकिन वह बड़ी बात नहीं होगी। आखिर पांच साल पर चुनाव होते हैं और चुनाव आयोग भी दो महीने में मतदान की प्रक्रिया पूरी करता है। कई क्षेत्रों में मतदान के बाद नतीजों के लिए लोगों को एक एक महीने तक इंतजार करना होता है। इसलिए मतदान समाप्त होने के बाद अगर नतीजे आने में दो-तीन दिन का समय लग जाता है तो उससे कोई आफत नहीं आ जाएगी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और चुनाव नतीजों के प्रति आम नागरिक का भरोसा बनाए रखने की यह कोई बड़ी कीमत नहीं होगी।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए 2024 का साल इसलिए भी अहम है क्योंकि आम चुनावों के साथ साथ जम्मू कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं और उसका पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होना है। सोचें, केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी दोनों दावा करते हैं कि जम्मू कश्मीर में सब सामान्य हो गया है। शांति बहाल हो गई है। आतंकवादी घटनाओं में बहुत कमी आ गई है। विकास की गंगा बह रही है। इसके बावजूद पांच साल से राज्य में विधानसभा नहीं है। जम्मू कश्मीर विधानसभा नवंबर 2०18 में भंग कर दी गई थी। उसके एक साल बाद अनुच्छेद 37० खत्म करके राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया था। साथ ही जम्मू कश्मीर को विभाजित करके लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इस तरह नवंबर 2०18 से राज्य में विधानसभा नहीं है और अगस्त 2०19 से जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर तक चुनाव कराने को कहा है और जल्दी से जल्दी पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आदेश दिया है। एक राज्य में पांच साल से जनता की चुनी हुई सरकार नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं, अच्छी बात नहीं है। राज्य में आखिरी बार 2०14 में चुनाव हुए थे। लोकतंत्र के लिए इससे जरूरी क्या हो सकता है कि 1० साल बाद राज्य में चुनाव हो!

लोकतंत्र में चुनाव अच्छी बात है। आम चुनाव होंगे। कई राज्यों में चुनाव होंगे। उससे पहले आस्था के केंद्र के तौर पर अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। करोड़ों लोग रामलला विराजमान के दर्शन करने जाएंगे। लेकिन इसके साथ ही लोकतंत्र के लिए अच्छी बात यह होगी की जनगणना कराई जाए। भारत में आखिरी बार 2०11 में जनगणना हुई थी। उसके बाद 2०21 में जनगणना होनी थी लेकिन 2०2० में कोरोना की महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया और तब से यह टला हुआ है। इस अवधि में चीन को पीछे छोड़ कर भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है। परंतु उस आबादी की गिनती नहीं हुई है। 2०11 के आंकड़ों के आधार पर सरकार की योजनाएं बन रही हैं। न आबादी का वास्तविक आंकड़ा है और न सामाजिक-आर्थिक स्थिति का वास्तविक आंकड़ा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह भी जरूरी है कि उन बंदों को गिना जाए, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करते हैं। उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि यह पता चले कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों के हालात क्या हैं।

सू- दोकू क्र.055

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.54 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

आई.एन.डी.आई.ए का प्रधानमंत्री चेहरा कौन?

अजय दीक्षित

पिछले डेढ़ साल से बिहार के सुशासन बाबू नितीश कुमार ने मोदी जी को मात देने के लिए विपक्ष को एकजुट करने की शुरुआत की थी। बाद में मुख्यतः कांग्रेस की पहल पर आई.एन.डी.आई.ए. बना जो देश की एकता को लेकर प्रयत्नशील है। इसकी तीसरी बैठक विगत दिन दिल्ली में हुई। वहां ममता बनर्जी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडके का नाम प्रस्तावित किया जिसका आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल ने समर्थन किया कहते हैं। इस प्रस्ताव के पक्ष में मात्र आठ पार्टियां हैं। शेष पार्टियों का कहना है कि बिना विचार विमर्श किये किसी नाम की घोषणा नहीं की जानी चाहिए। यह भी कहते हैं कि मल्लिकार्जुन के नाम की घोषणा के बाद नितीश कुमार लालू यादव के साथ उठ कर चले गये। उन्होंने फोटो सेशन में भी भाग नहीं लिया और मीटिंग के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस से भी गायब रहे। लालू यादव की बात समझ में आती है। नितीश कुमार जब विहार से बाहर जायेंगे तभी उनका पुत्र तेजस्वी यादव बिहार का मुख्य मंत्री बन सकता है। %लैण्ड फॉर जॉब% में वह आरोपी हैं। देर सबेर उसमें सजा होकर रहेगी। लालू यादव हैल्थ ग्राउण्ड पर जेल से बाहर हैं पर सक्रिय राजनीति में भाग ले रहे हैं। यूं महाराष्ट्र में अजीत गुट के वरिष्ठ जो पहले के मंत्रिमंडल में भी थे, अब हैल्थ ग्राउण्ड पर सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर होकर भी विधानसभा में बैठते हैं --पर सत्ता पक्ष की ओर से। तो बी.जे.पी. को अब लालू यादव पर सवाल उठाने का नैतिक आधार नहीं है।

यूं मल्लिकार्जुन खडके ने स्वयं कहा है कि लोक-सभा के चुनाव के बाद 2०24 में हमारी जितनी सीटें आती हैं, उसके बाद ही प्रधानमंत्री का नाम तय हो सकता है। यूं ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल, अखिलेश यादव, नितीश कुमार तथा अन्य दलों के नेताओं की भी ख्वाहिश प्रधानमंत्री बनने की है। असल में ये नेता अपने-अपने प्रदेश की स्थानीय पार्टी से सम्बन्धित हैं। इनका जनाधार अपने प्रदेश के बाहर नहीं है। अरविन्द केजरीवाल कह सकते हैं कि उनकी पार्टी दिल्ली और पंजाब दो राज्यों में है। परन्तु दिल्ली में तो कठपुतली सरकार है। यूं भी आम आदमी पार्टी शराब घोटाले में आरोपी है। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जेल में हैं। स्वयं अरविन्द केजरीवाल को ईडी का समन जा चुका है। ममता बनर्जी मात्र पश्चिमी बंगाल तक सीमित है। अखिलेश यादव का कोई असर यू.पी. के बाहर नहीं है।

ममता बनर्जी ने खडके का नाम लेकर गुगली खेली है। खडके अब 81 वर्ष के हो गये हैं। कर्नाटक से सम्बन्धित हैं। यूं हिन्दी फर्राटे के साथ बोलते हैं। दलित चेहरा है। उन्हें काफी प्रशासनिक अनुभव है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

असल में भारतीय जनता पार्टी का बर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। वहां सब कुछ अब मोदी जी और उनके सलाहकार गृहमंत्री अमित शाह पर निर्भर करता है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनाव लड़वाया है, और ये उम्मीदवार अपना डिमोशन मानकर भी चुप है, तो इससे मोदी का बढ़ता प्रभाव समझा जा सकता है। मध्यप्रदेश में तो अब केन्द्र के भूतपूर्व मंत्री और सांसद अब मात्र विधायक हैं। नरेन्द्र सिंह तोमर केन्द्र में कृषि मंत्री थे। वे अब मात्र स्पीकर हैं। यूं भाजपा ने कहते हैं नरेन्द्र सिंह तोमर पर दया ही की है।

खडके बहुत गरीबी में जिये हैं। सन् 194० में उनकी मां और बहन को जिंदा जला दिया गया था। उनके पिता एक मजदूर थे। किसी तरह खडके पढकर वकील बने। अभी हाल में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 98 सीटों में उसने 57 सीटें जीती जो अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित थी। कांग्रेस को मात्र 4० सीटें मिलीं।

समय बतलायेगा कि क्या आई.एन.डी.आई.ए. भाजपा को मात दे सकता है क अभी तो सन् 2०24 में मोदी जी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते दिख रहे हैं।

शिलापट्ट लगाए जाने पर लघु व्यापारियों ने किया चोपडा का स्वागत

संवाददाता

हरिद्वार। वेंडिंग जोन के उद्घाटन व लोकार्पण की शिलापट्ट दोनों वेंडिंग जोन में लगाए जाने से उत्साहित स्थानीय लाभार्थी लघु व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा का स्वागत किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में शहरी आजीविका संरक्षण के तहत उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार हरिद्वार नगर निगम द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन जिसमें प्रथम वेंडिंग जोन चंडी चौराहा मार्ग, दूसरा महिला पिक वेंडिंग जोन रोड़ी बेल वाला में नगर आयुक्त वरुण चौधरी के आदेश के अनुसार पूर्व में शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा वेंडिंग जोन के उद्घाटन व लोकार्पण की शिलापट्ट दोनों वेंडिंग जोन में लगाए जाने से उत्साहित स्थानीय लाभार्थी लघु व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा का स्वागत कर उपलब्धि दिवस के रूप में एक दूसरे को मिठाई बांटकर सरकार का धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा एक लंबे संघर्ष की बदौलत आज पूरे प्रदेश में स्थानीय नगर निगम नगर निकायों द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के संरक्षण में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को शहरी समृद्धि के तहत वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जा रहा है जोकि हर्ष का विषय है। दोनो वेंडिंग जोन में शिलापट्ट लगाए जाने से उत्साहित स्थानीय लघु व्यापारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार प्रकट करते लघु व्यापारियों में राजकुमार एंथोनी, मनोज कुमार मंडल, कपिल विश्नोई, नीतीश अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार, प्रभात, मोहनलाल, जय भगवान सिंह, विद्यावती आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर एनएसयूआई ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। दून विश्वविद्यालय से प्रदेश के महाविद्यालयों को सम्बद्ध करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क पर एक दिवसीय धरना दिया।

आज यहां भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में गांधी पार्क में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरने का मुख्य उद्देश्य दून विश्वविद्यालय से प्रदेश के महाविद्यालयो को सम्बद्ध किये जाने, सीयूईटी की परीक्षा निशुल्क किये जाने तथा शिक्षा का बाजारीकरण/निजीकरण आदि को लेकर धरना दिया। इस अवसर में विकास नेगी ने कहा है की प्रदेश की राजधानी में शिक्षा का बाजारीकरण करने के लिए सरकार का ध्यान केवल प्राइवेट शिक्षण संस्थानों को खोलने की ओर है। धामी सरकार 2005 में एनडी तिवारी सरकार में निर्मित दून विश्विद्यालय से आज तक किसी भी महाविद्यालय को सम्बद्ध नही कर पाई है। धामी सरकार का उद्देश्य लगातार छात्र छात्राओं को शिक्षा से वंचित करना है। प्रदेश की राजधानी में केवल 2 सरकारी महाविद्यालय है उनमें केवल 1000 बच्चो को ही शिक्षा देने की व्यवस्था है। राजधानी में पढ़ रहे छात्र छात्राओं का भविष्य अँधेरें में है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक अजय रावत, जिलाध्यक्ष प्रकाश नेगी, प्रदेश महासचिव अनंत सेनी, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डीएवी शालिनी, डीबीएस अखिल गुलिया, मुकेश बसेरा, हर्ष राण, आयुष राणा, हरजोत, प्रच्छ नौनील इकाई अध्यक्ष पुनीत राज, इकाई अध्यक्ष आदर्श सामंत, इकाई अध्यक्ष काजल थापा आदि मौजूद रहे।

हजारा बुणजाई बिरादरी ने धूमधाम से लोहड़ी का वार्षिकोत्सव मनाया

संवाददाता

देहरादून। हजारा बुणजाई बिरादरी ने लोहडी का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया तथा इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव थापर को भी सम्मानित किया गया।

आज यहां गीता भवन, धामावाला में हजारा बुणजाई मुल्तानी बिरादरी द्वारा लोहड़ी का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। उत्तराखंड की सबसे पुरानी सामाजिक संस्थाओं में से एक हजारा बुणजाई मुल्तानी बिरादरी समिति 1950 से देहरादून और आस-पास के क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक कार्य कर रही है। इस वर्ष समिति ने सामाजिक कार्यकर्ता और कांग्रेस नेता अभिनव थापर को उत्तराखंड में सामाजिक क्षेत्र में रोजगार, मूलनिवास, स्वास्थ्य के कई विषयों, देहरादून में उत्तराखंड की सबसे भव्य रामलीला करवाने, व अन्य कई सामाजिक विषयों पर विशेष कार्य करने के लिए सम्मानित किया। सामाजिक कार्यकर्ता व कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने बताया कि यह बिरादरी उत्तराखंड में मौजूद सबसे पुराने सामाजिक संगठनों में

से एक है और सदा सामाजिक सदभाव और आपसी सौहार्द के लिये काम करता है। बिरादरी ने भारत की आजादी वर्ष 1947 के बाद से देहरादून में प्रत्येक वर्ष

❑अभिनव थापर को किया सम्मानित

लोहडी के कार्यक्रम मनाए जिससे सर्व समाज मे एकता और सौहार्द का संदेश दिया। थापर ने समिति का इस विशेष सम्मान के लिये आभार भी प्रकट किया।

इस वर्ष यह लोहड़ी वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बिरादरी ने धामावाला स्तिथ गीता भवन के प्रांगण में मनाया जिसमे संगीतमय कार्यक्रम, बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम , लोहड़ी गायन-जलाना, प्रसाद वितरण, आदि का सफलतापूर्वक निर्वाहन किया गया। पंजाबी समाज ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन से समस्त उत्तराखंड और भारतवर्ष में एकता और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन बिरादरी के अध्यक्ष पवन चंदोक द्वारा किया गया। वार्षिकोत्सव में सचिन विज, हरीश ढोड़ी, संजीव पुरी, सी एल नंदा, प्रदुमन कक्कड़, अशोक मल्होत्रा, योगेश नंदा, मदन लाल मल्होत्रा, अशोक सोनी, सुदर्शन जग्गी, पुनीत सहगल, भूपेंद्र कुमार, प्रवीण कोच्चर, महेश उभान आदि ने वार्षिकोत्सव में प्रतिभाग किया।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का संयुक्त नागरिक संगठन ने किया स्वागत

संवाददाता

देहरादून। बिलकिस बानो गैंप रेप के आरोपियों की सजा माफ करने के निर्णय के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का संयुक्त नागरिक संगठन ने स्वागत किया।

आज यहां बिलकिस बानो गैंग रेप केस में हत्या आरोपियों की सजा माफ करने और जेल से रिहा किए जाने के गुजरात सरकार की फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन ने प्रसन्नता व्यक्त की है। संगठन सचिव सुशील त्यागी ने कहा है संविधान में भी दोषियों को माफी मांगने का मौलिक अधिकार नहीं है यह तथ्य संज्ञान में होते हुए भी केंद्र तथा गुजरात सरकार द्वारा दोषियों की रिहाई के फैसले का बचाव करना न्याय व्यवस्था पर कुठाराघात था।

हत्या के प्रयास में फरार चल रहा आरोपी तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 6 जनवरी को ग्राम झबरेडी कलां निवासी एक व्यक्ति ने थाना झबरेडा में तहरीर देकर बताया था कि 4 जनवरी को विकेश उर्फ मिलट्री पुत्र कुलवीर निवासी ग्राम झबरेडी कलां द्वारा उनके पुत्र नितिन उर्फ मोनू को गाली गलौच कर जान से मारने के इरादे से उस पर तमन्चे से गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया था व बीच बचाव कर रहे शेर सिंह पुत्र कर्ण सिंह भी गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। उनके पुत्र नितिन व शेर सिंह को उपचार हेतु एम्स चिकित्सालय

मे भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी विकेश की तलाश शुरू कर दी गयी। लेकिन आरोपी लगातार ठिकाने बदलता रहा। जिसको पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद देर रात झबरेडा मंगलौर रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद कर लिया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

प्रदेश आज नये दौर का सामना कर रहा हैः जोशी

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड जो अपनी प्राकृतिक सौंदर्य पर्वतीय इलाकों और ऐतिहासिक समृद्धि के लिए प्रसिद्ध है, आज एक नए दौर का सामना कर रहा है।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के एक निजी होटल में उत्तराखण्ड डेवेलॉपर्स 2024 द्वारा आयोजित सोशियल डेवेलॉपमेन्ट कॉन्क्लेव में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कॉन्क्लेव में पहुंचे डेवेलपर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा उत्तराखंड जो अपनी प्राकृतिक सौंदर्य पर्वतीय इलाकों और ऐतिहासिक समृद्धि के लिए प्रसिद्ध है, आज एक नए दौर का सामना कर रहा

है। उन्होंने कहा डेवेलपर्स की भूमिका यहाँ विशेष है, क्योंकि उनके द्वारा नई योजनाओं, आवास और और सुरक्षित आवासीय इलाकों की बनावट में सहायक हो सकते हैं।

उन्होंने कहा प्रोपदून के माध्यम से हम एक साथ आ रहे हैं, ताकि हम मिलकर नए और स्थायी समाधानों की ओर कदम बढ़ा सकें। मंत्री ने कहा हमें सुनिश्चित करना होगा कि हमारी नई परियोजनाएं प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक संरचना को मजबूती से बनाए रखें और सभी लोगों को उसका लाभ हो सके। उन्होंने कहा हमें सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा जल के संवर्धन की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विधायक खजान दास, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, रतन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

मालदीव की पूर्व डिप्टी स्पीकर इवा अब्दुल्ला ने भारत से माफी मांगी, मंत्रियों की टिप्पणी को गलत बताया

नई दिल्ली। पीएम मोदी पर मालदीव के 3 उप मंत्रियों द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद मालदीव सरकार ने तीनों को सस्पेंड कर दिया। इसके बाद भारत में भी बायकॉट मालदीव ट्रेंड कर रहा है। बता दें कि मालदीव के इन 3 मंत्रियों ने पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनकी आलोचना कर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद अब मालदीव की पूर्व डिप्टी स्पीकर इवा अब्दुल्ला ने भारत से माफी मांगी और अपने मंत्रियों की टिप्पणी को गलत बताया है। इस मुद्दे पर मालदीव की पूर्व डिप्टी स्पीकर इवा अब्दुल्ला का बयान आया है और उन्होंने टिप्पणियों को शर्मनाक और नस्लवादी करार दिया है। पूर्व डिप्टी स्पीकर ने भारत से माफी भी मांगी और भारतीयों से मालदीव के खिलाफ बहिष्कार अभियान बंद करने का अनुरोध भी किया। इवा अब्दुल्ला, जो कि मौजूदा सांसद भी हैं, उन्होंने कहा कि टिप्पणियों पर आक्रोश समझ में आता है। भारतीयों का गुस्सा जायज है, टिप्पणियां अपमानजनक हैं। मैं शर्मनाक टिप्पणियों के लिए भारत के लोगों से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगना चाहती हूं।

पाक में आतंकियों ने बम से उड़ाई पुलिस वैन, 5 पुलिस वालों की मौत

कराची। पाकिस्तान में आज पुलिस टीम पर आतंकी हमला हुआ। केपी बाजार में खड़ी पुलिस वैन बम से उड़ा दी गई, जिसमें 5 जवान मौके पर मारे गए। 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले की मामुंड तहसील में यह हमला हुआ। बाजौर पुलिस प्रवक्ता इसरार अहमद ने हमले की और इसमें जवानों के मारे जाने की पुष्टि की। घायलों को खार जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से 10 घायलों को हालत नाजुक होने के चलते पेशावर रेफर कर दिया गया है। खार जिला अस्पताल के डायरेक्टर डॉ वजीर खान सफी ने कहा कि हमले में घायल हुए 12 लोगों की हालत खतरे से बाहर है। बता दें कि पुलिस वैन पोलियो टीकाकरण अभियान चला रहे डॉक्टरों की सुरक्षा में तैनात थी। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने भी हमले की निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि जनता पीड़ित पुलिस परिवारों के साथ खड़ी है।

पीएम मोदी के दौरे के बाद इंटरनेट पर लक्षद्वीप को सबसे ज्यादा सर्च किया गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद लक्षद्वीप इंटरनेट पर छा गया है। लोग इसके बारे में ज्यादा सर्च कर रहे हैं। लोगों की रुचि का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि चार जनवरी के बाद पिछले 20 सालों में लक्षद्वीप को सर्च करने वाले लोगों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर है। दरअसल, चार जनवरी को पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लक्षद्वीप से अपनी कुछ तस्वीरों को शेयर किया था। इसमें समुद्री तट, नीला आसमान और समुद्र के अंदर की तस्वीरें और वीडियो भी शामिल थे। प्रधानमंत्री स्नॉर्कलिंग करते हुए भी नजर आए थे। उन्होंने कहा कि रोमांच के शौकीन लोगों को लक्षद्वीप की यात्रा जरूर करनी चाहिए। बॉलीवुड सितारे हों या क्रिकेटर, सभी अपने देश के समुद्री तटों और अन्य पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के समर्थन में खड़े नजर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री के लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के आह्वान के प्रति भी अपना समर्थन जताया। अक्षय कुमार ने कहा कि कि मैंने कई बार मालदीव का दौरा किया है और इसकी प्रशंसा की है, लेकिन गरिमा पहले है। उन्होंने कहा कि मालदीव के मंत्री उस देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं, जिसके यहां से बड़ी संख्या में पर्यटक वहां जाते हैं। सलमान खान ने कहा कि लक्षद्वीप के सुंदर, स्वच्छ और आश्चर्यजनक समुद्र तटों पर प्रधानमंत्री को देखना बहुत अच्छा है। सबसे अच्छी बात तो यह है कि ये हमारे अपने देश भारत में हैं। मालदीव के मंत्रियों की तरफ से पीएम मोदी के खिलाफ की गई अपमानजक टिप्पणी को लेकर विदेश मंत्रालय ने सोमवार को मालदीव के राजदूत इब्राहिम शाहीब को तलब किया। वहीं, मालदीव सरकार ने मंत्रियों की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया है। विदेश मंत्री मूसा जमीन ने कहा कि विदेशी नेताओं के खिलाफ की गई टिप्पणियां अस्वीकार्य है। यह मालदीव सरकार का पक्ष नहीं दर्शाती है।

पुलिस ने 266 लोगों के फोन लौटा कर उन्हे दी नववर्ष की सौगात

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पुंलिस की मोबाइल एप्प टीम द्वारा 266 मोबाइल बरामद किए गये हैं। जिनकी कीमत लगभग 44 लाख 91 हजार रुपए बतायी जा रही है। यह मोबाइल सर्विलांस के माध्यम से उत्तरप्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमांचल प्रदेश व उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से मोबाइल एप्प टीम द्वारा बरामद किए गए। जिसे पुलिस ने 266 फरियादियों को लौटाकर उन्हे नव वर्ष की सौगात दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल प्रहलाद सिंह मीणा ने आम जनता के मोबाइल फोन गुम होने की लिखित शिकायतों को गम्भीरता से लेने के निर्देश दिये गए थे।

ण्आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ. जगदीश चंद्र व पुलिस अधीक्षक नगर हरबंस सिंह व नितिन लोहनी क्षेत्राधिकारी ऑप्स हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में हेम चंद्र पंत निरीक्षक प्रभारी साईबर/मोबाईल एप के नेतृत्व में माह अक्टूबर 2023 से अब तक आईएमईआई नम्बरों को एसओजी प्रभारी अनीस अहमद के माध्यम से सर्विलांस में लगाये जाने के उपरान्त विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमांचल प्रदेश व उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से कुल 266 विभिन्न कम्पनियों के मोबाइल फोन, मोबाइल एप्प टीम द्वारा बरामद किये गये। जिनकी अनुमानित कीमत 44,91,500 रुपये है। पुलिस ने मोबाईल मिलने की उम्मीद खो बैठे मोबाइल स्वामियों को उनके मोबाईल सुपुर्द कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी गयी। अपने-अपने खोये मोबाईल पाकर मोबाईल स्वामियों द्वारा नैनीताल पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। एसएसपी नैनीताल ने पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतु 2,500 रूपये नगद पुरस्कार से पुरुस्कृत करने की घोषणा की है।

न्याय की आस में बैठी अंकिता भंडारी की दादी का निधन

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के बहुचर्चित हत्याकांड अंकिता भंडारी की दादी का आज सुबह निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थी। जिनकी श्रीनगर स्थित पैतृक घाट पर अंत्येष्टि की जाएगी।

बताया जा रहा है कि आज सुबह अंकिता की दादी ने घर पर अंतिम सांस ली। अंकिता के पिता वीरेंद्र भंडारी ने अपनी मां शक्ति देवी के निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह 84 साल की थी तथा कुछ समय से बीमार चल रही थी। साथ ही उन्होंने बताया कि, श्रीनगर आईटीआई पैतृक घाट पर दोपहर में उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा। बता दें, अंकिता के इस तरह से दुनिया छोड़कर चले जाने के बाद से उनकी दादी शक्ति देवी भी बुरी तरह टूट गई थी। वह हमेशा अंकिता को न्याय मिलने के आस में बैठी थी।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मंदिर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढी कैण्ट निवासी अनिता ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह टपकेश्वर मंदिर गयी थी तथा उसने मंदिर के पास ही अपनी मोटरसाईकिल खडी की थी लेकिन जब वह थोडी दूर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में सुनवाई सिर्फकागजों तक सीमित

हमारे संवाददाता

देहरादून। डीएम के जनता दरबार में पिछले चार महीनों से अपनी जमीन पर हुए कब्जे को हटवाने के लिए बुजुर्ग दंपति चक्कर काटने को मजबूर है लेकिन कार्यवाही सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई है।

दरअसल मामला पटेलनगर क्षेत्र का है जहाँ ब्रहामणवाला के संस्कृति लोक कॉलोनी में बुजुर्ग दंपति ने अपनी बेटी की शादी के लिए एक प्लाट खरीदा था लेकिन भूमाफियाओं ने जालसाजी कर बुजुर्ग दंपति के प्लाट पर कब्जा कर धड़ल्ले से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिसे रुकवाने के लिए ही बुजुर्ग दंपति अधिकारियों के दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर हैं। बड़ी बात यह है कि अब 15 फरवरी को उनकी बेटी मदीहा नाज की शादी होने वाली है ऐसे में जब परिवार को तैयारियों में जुटा होना चाहिए था तब वह लोग अधिकारियों के चक्कर

काट रहे है। मकसूद हस्सन का कहना है कि अगर उनका प्लॉट उन्हें समय से नही मिला तो उनकी बेटी की शादी का सपना भी टूट जाएगा क्योंकि उन्होंने यह प्लाट अपनी बेटी की शादी धूमधाम से करवाने के लिए ही खरीदा था जो सपना अब टूटता हुआ नजर आ रहा है।

वही जब डीएम सोनिका से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी से संबंधित जो भी मामले उनके जनता दरबार में आते हैं उनमें दोनों पक्षों से बातचीत कर मेरिट के आधार पर समाधान किया जाता है हालांकि इस मामले की जानकारी होने से डीएम ने इनकार किया जबकि पीड़ित परिवार की माने तो बुजुर्ग दंपति पिछले 4 महीने से डीएम के जनता दरबार के चक्कर काट रहा है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चन्द्रेश्वर नगर श्मशान घाट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 48 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप साहनी उर्फ मच्छर पुत्र लाल बहादुर निवासी चन्द्रेश्वर नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।